



संज्ञानात्मक मनोविज्ञान: उत्पत्ति और वर्तमान स्थिति

संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, मन और मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन, आधुनिक मनोविज्ञान का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यह प्रस्तुति इस क्षेत्र की उत्पत्ति, विकास और वर्तमान स्थिति का पता लगाएगी।



bBy Dr Vandana Jyoti



संज्ञानात्मक मनोविज्ञान का इतिहास: शुरुआती विचार



दर्शन

मन और ज्ञान के बारे में दार्शनिक विचार संज्ञानात्मक मनोविज्ञान के अग्रदूत थे।



विलियम वुंड्ट

पहले मनोविज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना ने मनोविज्ञान को एक विज्ञान के रूप में स्थापित किया।



संरचनावाद

चेतना की संरचना को समझने पर केंद्रित प्रारंभिक दृष्टिकोण।

व्यवहारवाद और संज्ञानात्मक क्रांति

व्यवहारवाद का उदय

व्यवहारवाद ने मनोविज्ञान में एक प्रभावशाली दृष्टिकोण के रूप में मानसिक प्रक्रियाओं की उपेक्षा की।

संज्ञानात्मक क्रांति

कंप्यूटर विज्ञान और भाषा विज्ञान के प्रभाव ने संज्ञानात्मक मनोविज्ञान के पुनरुत्थान को प्रेरित किया।

नोम चॉम्स्की

नोम चॉम्स्की ने भाषा के संज्ञानात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला।

प्रमुख सिद्धांत और अवधारणाएँ

स्मृति

स्मृति के विभिन्न मॉडल और प्रक्रियाएँ जैसे संवेदी स्मृति, अल्पकालिक स्मृति और दीर्घकालिक स्मृति।

ध्यान

ध्यान और चयनात्मक ध्यान की भूमिका, जो धारणा और सीखने को प्रभावित करते हैं।

भाषा

भाषा अधिग्रहण, समझ और उत्पादन में शामिल संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ।



संज्ञानात्मक मनोविज्ञान में अनुसंधान के तरीके

1

प्रयोग

संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं की जाँच के लिए नियंत्रित प्रयोगशाला प्रयोग।

2

न्यूरोइमेजिंग

मस्तिष्क गतिविधि को मापने के लिए fMRI, EEG, और PET स्कैन का उपयोग।

3

संज्ञानात्मक मॉडलिंग

मानसिक प्रक्रियाओं को अनुकरण करने के लिए कंप्यूटर मॉडल का विकास।



संज्ञानात्मक मनोविज्ञान के अनुप्रयोग

1

शिक्षा

शिक्षण विधियों को अनुकूलित करने के लिए संज्ञानात्मक सिद्धांतों का उपयोग करना।

2

नैदानिक मनोविज्ञान

मानसिक विकारों को समझने और उनका इलाज करने के लिए संज्ञानात्मक थेरेपी।

3

मानव-कंप्यूटर संपर्क

उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस डिजाइन करने के लिए संज्ञानात्मक सिद्धांतों को लागू करना।

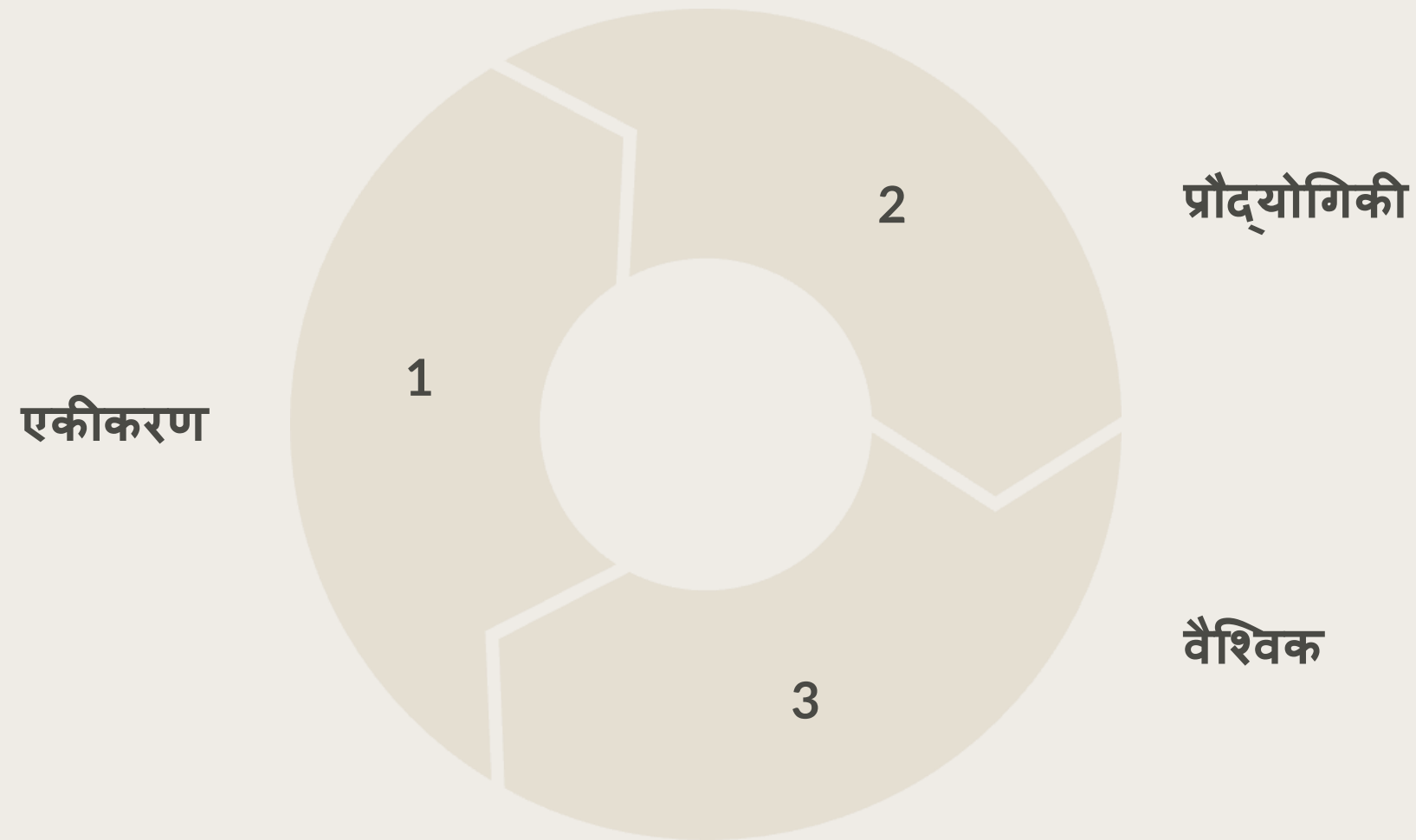




संज्ञानात्मक मनोविज्ञान में वर्तमान रुझान

- 1 संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान**
संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं और मस्तिष्क के बीच संबंध की खोज।
- 2 कृत्रिम बुद्धिमत्ता**
AI सिस्टम विकसित करने के लिए संज्ञानात्मक सिद्धांतों का उपयोग करना।
- 3 सांस्कृतिक संज्ञानात्मक मनोविज्ञान**
संज्ञान पर संस्कृति के प्रभाव की जाँच करना।

निष्कर्ष: संज्ञानात्मक मनोविज्ञान का भविष्य



संज्ञानात्मक मनोविज्ञान भविष्य में और अधिक एकीकृत, प्रौद्योगिकी-संचालित और वैश्विक हो जाएगा। इस क्षेत्र में मानव मन की गहरी समझ और विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोगों की क्षमता है।